5 अक्टूबर 2011

नवमी तिथि

मां सिद्धिदात्री

ॐ सिद्धिदात्री देव्यैः नमः।

नवरात्र की नवमी तिथि को समस्त साधनाओं को सिद्ध एवं पूर्ण करने वाली तथा अष्टसिद्धि नौ निधियों को प्रदान करने वाली भगवती दुर्गा के नवम् रूप मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना का विधान है। देवी भगवती के अनुसार भगवान शिव ने मां की इसी शक्ति की उपासना करके सिद्धियां प्राप्ति की थीं। इसके प्रभाव से भगवान का आधा शरीर स्त्री का हो गया था। उसी समय से भगवान शिव को अर्धनारीश्वर कहा जाने लगा है। इस रूप की साधना करके साधकगण अपनी साधना सफल करते हैं तथा सभी मनोरथ पूर्ण करते हैं। वैदिक पौराणिक तथा तांत्रिक किसी भी प्रकार की साधना में सफलता प्राप्त करने के पहले मां सिद्धिदात्री की उपासना अनिवार्य है।

साधना विधि

सर्वप्रथम लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाकर मां सिद्धिदात्री की मूर्ति अथवा तस्वीर को स्थापित करें तथा सिद्धिदात्री यंत्र को भी चौकी पर स्थापित करें। तदुपरांत हाथ में लालपुष्प लेकर मां का ध्यान करें। ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे। ॐ सिद्धिदात्री दैव्ये: नम: ॥
ध्यान के बाद हाथ के पुष्प को मां के चरणों में छोड़ दें तथा मां का एवं सिद्धिदात्री का मंत्र का पंचोपचार अथवा षोडशोपचार विधि से पूजन करें। देशी घी से बने नैवेद्य का भोग लगाएं तथा मां के नवार्ण मंत्र का इक्कीस हजार की संख्या में जाप करें। मंत्र के पूर्ण होने के बाद हवन करे तथा पूर्णाहुति करें। अंत में ब्राह्मणों को भोजन करायें तथा वस्त्र–आभूषण के साथ दक्षिणा देकर परिवार सहित आशीर्वाद प्राप्त करें। कुंवारी कन्याओं का पूजन करे और भोजन करायें। वस्त्र पहनायें वस्त्रों में लाल चुनरी अवश्य होना चाहिए क्योंकि मां को लाल चुनरी अधिक प्रिय है। कुंआरी कन्याओं को मां का स्वरूप माना गया है। इसलिए कन्याओं का पूजन अति महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य है।

मां सिद्धिदात्री का भोग बदलेगा आपका भाग्य

आज के दिन नित्यक्रम से निवृत हो स्नानोपरांत मां भवगती को श्रद्धापूर्वक पूजन करके धान का लावा अर्पण करके गरीब लोगों में लावा बांट दें। इस दान के प्रभाव से पुरुष इस लोक और परलोक में भी सुखी रह सकता है।

ग्रह पीड़ा निवारण

जिस जातक की जन्म कुंडली में निजकर्त कर्मों की वजह से यदि ग्रह अनुकूल नहीं है तो यह अद्भुत ग्रह पीड़ा निवारण मंत्र है। माँ सिद्धिदात्री माता का मंत्र ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे। ॐ सिद्धिदात्री दैव्ये: नम: ॥ का जाप करना बहुत ही शुभ रहेगा।

धन प्राप्ति के उपाय

1. मां भगवती सिद्धदात्री को हर रोज भगवती का ध्यान करते हुए पीले पुष्प अर्पित करें। मोती चूर के लड्डूओं का भोग लगाएं ओर श्री विग्रह के सामने घी का दीपक जलाएं। धन की कमी नहीं रहेगी।
2. धन लाभ के लिए मां भगवती के मंदिर में गुलाब की सुगंधित धूपबत्ती शुक्रवार के दिन दान करें।

प्रत्येक शुक्पक्ष की नवमी को 7 मुट्ठी काले तिल पारिवारिक सदस्यों के ऊपर से 7 बार उसार कर उत्तर दिशा में फेंक दे। धन हानि नहीं होगी।